एक नजर में

सिंह राजपूत सामाजिक संगठन की महिला विंग ने हर्षोल्लास के साथ मनाया हिंदू नववर्ष

मंदसौर। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के संकल्प के साथ सिंह राजपूत सामाजिक संगठन की महिला विंग द्वारा हिंदू नववर्ष का पावन पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मांगलिक अवसर पर संगठन की सदस्याएं प्रसिद्ध मां नालछा माता मंदिर परिसर में एकत्रित हुईं, जहां पूरे वातावरण में नववर्ष की उमंग और भक्ति का संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत मां नालछा माता के दर्शन और पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात महिला विंग की पदाधिकारियों और सदस्यों ने मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया। संगठन द्वारा प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए दर्शनार्थियों को तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। साथ ही, स्वास्थ्य और आध्यात्म के प्रतीक नीम एवं मिश्री का प्रसाद वितरित कर सभी को नववर्ष की मंगलकामनाएं प्रेषित की गईं। इस गरिमामयी आयोजन में महिला विंग की पूरी टीम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का नेतृत्व अध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह कुशवाह ने किया, जिनके साथ उपाध्यक्ष श्रीमती सपना चंदेल, सचिव श्रीमती अपर्णा कुशवाह, कोषाध्यक्ष श्रीमती सपना तोमर और सह सचिव श्रीमती पूजा सेंगर एवं श्रीमती वैशाली चौहान, मीडिया प्रभारी श्रीमती किरण सेंगर, संगठन मंत्री श्रीमती साधना तोमर, कार्यकारिणी सदस्य सुश्री माधवी कुशवाह, श्रीमती सीमा भदौरिया, श्रीमती उमा राणावत, श्रीमती मंजु तोमर, श्रीमती अरुणा भदौरिया, श्रीमती शर्मिला चौहान, नीलम रानी चौहान और प्रतिभा तोमर सहित अनेक महिलाओ ने सहभागिता की।

राजा टोडरमल जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई

मंदसौर। बुधवार को नगर में जांगड़ा पोरवाल समाज द्वारा पितृ पुरुष राजा टोडरमल जयंती बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मोडीमाताजी प्रांगण से बैंड-बाजों के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस मोडीमाताजी प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य बाजार मार्गों से होता हुआ पोरवाल मांगलिक भवन पहुँचा, जहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वक्ताओं ने राजा टोडरमल जी के जीवन, उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के पश्चात स्नेहभोज का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में पोरवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश काका ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समाज के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लायंस गोल्ड एवं विधि महाविद्यालय ने भूनियाखेड़ी में आयोजित किया विशाल स्वास्थ्य शिविर

मन्दसौर। लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड, विधि महाविद्यालय एवं 'राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान' 'ग्राम भूनियाखेड़ी' के 'शासकीय माध्यमिक विद्यालय' में 'विशाल स्वास्थ्य शिविर' का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में 'ग्राम वासियों एवं विधि महाविद्यालय (ला कॉलेज) के छात्र छात्राओं ने एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ एवं बच्चों ने भी अपने स्वास्थ्य का परीक्षण करवाया। इस शिविर में लाभमुनि हॉस्पिटल की टीम के दीपक एवं भावना एवं आयुष विभाग' की टीम के 'डॉ राकेश राठौर, डॉ श्वेता रामावत, मनोज यादव, डॉ विशाखा जाट, एवं राजेंद्र कनाशे कंपाउडर, रामलाल जाटव, विक्रम राणा, अनिल मीणा, तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के राजेश कौशिक, ध्रुवसिंह चौहान, विवेक बरसोलिया, भारत धाकड़, मुदित, निखिल राठौड़, रानू गुर्जर, ज्योति बाला सोनी, प्रार्थना जोशी, होम्योपैथिक डॉ अमन मेहता, व दंत चिकित्सक डॉ अनिल धाकड़' ने भी अपनी सेवाएं प्रदान की। इस अवसर पर 'लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड अध्यक्ष लायन संजय पारिख' एवं 'सचिव लायन प्रतीक शर्मा, कोषाध्यक्ष लायन मनोज सेवानी क्लब के सदस्यो' द्वारा सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

गंगा जल संवर्धन अभियान सरकार के साथ जन-जन का अभियान : डिप्टी सीएम देवड़ा

▸ पशुपतिनाथ मंदिर में प्याऊ का लोकार्पण, जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर जोर

मंदसौर। जिले में जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने गुरुवार को भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर से 'जल गंगा जल संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में आमजन की सुविधा के लिए निर्मित प्याऊ का लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन, पत्रकार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। 'जल गंगा जल संवर्धन अभियान' के माध्यम से जिले में जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएंगे। यह अभियान 30 जून 2026 तक संचालित होगा।

उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत तालाबों, नदियों, कुओं, बावड़ियों सहित अन्य पारंपरिक जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाएगा। साथ ही इन जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, गहरीकरण एवं मरम्मत के कार्य भी सुनिश्चित किए जाएंगे, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन हो सके।

> उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल शासन का नहीं, बल्कि जन-जन का अभियान है। इसमें आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं शासकीय विभागों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने सभी से अपील की कि जल संरक्षण के इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखें। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में शुरू की गई प्याऊ व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को गर्मी के मौसम में शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा, जो एक सराहनीय पहल है।

सकल जैन समाज महिला प्रकोष्ठ की प्रेरणादायी पहल

मंदसौर। सकल जैन समाज महिला प्रकोष्ठ द्वारा 12 मार्च से 27 मार्च तक प्रतिदिन धर्म की गंगा प्रवाहित की जा रही है। इस अवधि में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों पर भक्ति संध्या का आयोजन रखा गया है।

इस पावन श्रृंखला के माध्यम से ज्ञान का प्रकाश, साधना का संकल्प और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। हर दिन मंदिरों में उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़ और गूंजते भक्ति स्वर यह दर्शाते हैं कि पूरा वातावरण भक्तिमय और अलौकिक बन चुका है।

यह आयोजन आदिनाथ भगवान से लेकर भगवान महावीर स्वामी तक के जन्म कल्याणक की पावन भावना को समर्पित है। विशेष बात यह है कि महिला प्रकोष्ठ के इतिहास में इस प्रकार का निरंतर 16 दिवसीय भक्ति आयोजन पहली बार हो रहा है, जो अपने आप में एक अनूठी और प्रेरणादायी पहल है।

इस भक्ति श्रृंखला ने समाज में एक नई ऊर्जा, एकता और उत्साह का संचार किया है। हर दिन का आयोजन अत्यंत सुंदर, व्यवस्थित और भावपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो रहा है, जिससे सभी श्रद्धालु गहराई से जुड़ रहे हैं।

प्रकोष्ठ की महामंत्री सारिका बाकलीवाल ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार की निरंतर भक्ति संध्या न केवल धर्म के प्रति आस्था को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज में एकता, प्रेम और संस्कारों को भी मजबूत बनाती है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक संख्या में जुडक़र इस पावन आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया। यह समस्त जानकारी महिला प्रकोष्ठ की प्रवक्ता अनिता धींग द्वारा प्रदान की गई। हम सभी समाजबंधुओं से विनम्र निवेदन करते हैं कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर भक्ति संध्या में सहभागी बनें और इस दिव्य आयोजन को और भी भव्य एवं सफल बनाएं।

थड़ोद में मानस पाठ के साथ जल स्त्रोत और वृक्ष पूजन

मंदसौर। ग्राम थडोद में श्री श्री मां शक्ति सेवा संस्था द्वारा नववर्ष गुढ़ी पड़वा के अवसर पर जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम का कुएँ की पूजा अर्चना आरती कर कर विधि विधान से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया।

जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक तृप्ति बैरगी निर्देशन व ब्लॉक संमन्वयक विनोद गौड़ के नेतृत्व में संस्था सचिव राधिका तिवारी ने विकासखण्ड मल्हारगढ़ के सेक्टर मुंदड़ी के गांव थडोद ग्रामवासी के साथ जल स्त्रोतों की पूजा, मानस पाठ के साथ वृक्ष की आरती कर का कार्य किया। इस अवसर पर संस्थापक पं. श्री गोपाल तिवारी द्वारा बताया की अभियान का उद्देश्य मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस अभियान की सफलता के लिए सभी वर्गों को एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया है, ताकि श्वकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा किया जा सके। जल शक्ति से भक्ति के भाव के साथ, शासन अभियान को जन आंदोलन बनाकर जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना। इस अवसर पर गांव के पुजारी जगदीश बैरागी के साथ ग्रामीणजन एवं माताएं बहने उपस्थित रहे।

एक नजर ▸ होली मिलन समारोह में अव्वल आने वाले छात्रों को सौंपी प्रोत्साहन राशि

जांगिड़ ब्राह्मण सुथार पंचायत चंद्रपुरा ट्रस्ट का महिला मंडल का गठन

मंदसौर। श्री जांगिड़ ब्राह्मण सुथार पंचायत चंद्रपुरा ट्रस्ट मंदसौर का होली मिलन समारोह 18 मार्च 2026 बुधवार को संपन्न हुआ जिसमें नवनिर्वाचित महिला मंडल का गठन भी किया गया। होली मिलन समारोह चंद्रपुर स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर परिसर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

श्री जांगिड़ ब्राह्मण सुथार पंचायत चंद्रपुरा ट्रस्ट मंदसौर में नवनिर्वाचित महिला मंडल का गठन करते हुए अध्यक्ष के रूप में मनोरमा स्व. लोकेंद्र झलोया एवं उपाध्यक्ष आशा डॉ. श्याम तिवारी और आशा शिवदयाल शर्मा साथ ही सचिव वीणा शरद तिवारी एवं मोनिका अभिनव झलोया को मनोनीत कर नवीन महिला मंडल कार्यकारिणी का गठन किया गया। तत्पश्चात होली मिलन समारोह में हर वर्ष की तरह श्री अंगिरा ऋषि शिक्षण समिति के द्वारा प्रतिभा सम्मान किया गया जिसमें 10वीं एवं 12वीं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए छात्रों को प्रोत्साहन राशि डॉक्टर श्याम जी तिवारी द्वारा सप्रेम भेंट की गई तथा मोमेंटो एवं शाल, श्रीफल श्री लक्ष्मीनारायण जी गुगरिया धमनार वालों की तरफ से भेंट किया गया।

मिलन समारोह की इसी कड़ी में नवयुवकों द्वारा जिला चिकित्सालय में रक्तदान की नई पहल कर समाज को नई राह की ओर अग्रसर किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, नवयुवक एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित श्री अर्जुन जी झलोया, संचालन शरद तिवारी एवं आभार डॉ. श्याम तिवारी द्वारा प्रेषित किया गया।

नीमच

एक नजर में

नव संवत्सर पर नवकार आयुर्वेदा, सिंगोली ने नि:शुल्क नीम ज्यूस का किया वितरण, स्वास्थ्य के प्रति सराहनीय पहल

सिंगोली। भारतीय नववर्ष नव संवत्सर के पावन अवसर पर नवकार आयुर्वेदा, सिंगोली द्वारा आयोजित नि:शुल्क ताजा नीम जूस वितरण कार्यक्रम उत्साह और जनसहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर आयुर्वेदिक परंपरा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रात:कालीन समय में लोगों को ताजा तैयार किया गया नीम जूस वितरित किया गया। उपस्थित लोगों ने इसे स्वास्थ्यवर्धक पहल बताते हुए सराहना की और रुचिपूर्वक इसका सेवन किया। कई लोगों ने आयुर्वेद के इस सरल उपाय को अपनी दिनचर्या में अपनाने का संकल्प भी व्यक्त किया। आयोजकों ने बताया कि नव संवत्सर केवल नया वर्ष नहीं, बल्कि शरीर और मन की शुद्धि का भी श्रेष्ठ अवसर है। नीम का सेवन आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, रक्त शुद्धि और पाचन सुधार के लिए अत्यंत उपयोगी माना गया है। इसी उद्देश्य से इस सेवा कार्य का आयोजन किया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग प्राकृतिक और पारंपरिक स्वास्थ्य उपायों से जुड़ सकें। कार्यक्रम में सभी आयु वर्ग के लोगों की उपस्थिति रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि समाज में आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उपस्थित नागरिकों ने नवकार आयुर्वेदा की इस पहल को सराहते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की अपेक्षा जताई। नवकार आयुर्वेदा, सिंगोली द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और संस्था भविष्य में भी जनस्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को इसी प्रकार आगे बढ़ाती रहेगी। अंत में आयोजकों ने सभी सहभागी नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल सेवा ही नहीं, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है।

प्रस्तावित नई गाइडलाइन के संबंध में दावे आपत्तियां लोग दे सकेंगे कल तक

नीमच। जिला पंजीयक नीमच ने बताया कि नीमच जिले की गाइड लाइन वर्ष 2026-27 निर्धारित किए जाने हेतु जिला मूल्यांकन समिति नीमच की बैठक बुधवार को कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला मूल्यांकन समिति श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में उप जिला मूल्यांकन समिति नीमच, जावद, मनासा, रामपुरा एवं सिंगोली से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया। उक्त प्रस्तावों पर आम जनता के सुझाव / दावे/आपत्तिया 21 मार्च 2026 (शनिवार) को दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित किए गए हैं। अनन्तिम प्रस्तावों का अवलोकन जिला पंजीयक कार्यालय नीमच एवं उप पजीयक कार्यालय नीमच, मनासा, जावद, रामपुरा एवं सिंगोली में किया जा सकता है। उक्त दिनांक एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी सुझाव / दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया सकेगा।

ग्रामीणों ने एसपी ऑफिस पहुंचकर लगाए गंभीर आरोप

▸ डासिया विवाद में निष्पक्ष जांच की मांग, बोले- झूठे केस फंसाया गया

नीमच। जिले के डासिया गांव का विवाद गहरा गया है। गुरुवार को करणी सेना परिवार के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने घायल परिवार पर मारपीट सहित झूठे मुकदमे में फंसाने और अवैध गतिविधियों के गंभीर आरोप लगाए, साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ग्रामीणों का दावा है कि विवाद की शुरुआत 26 फरवरी को हुई थी। उस दिन मानसिक रूप से अस्वस्थ जसवंत सिंह अपने खेत से लौटते समय खाने के लिए कुछ चने उखाड़ लाए थे। इसी बात पर गांव के कुछ लोगों ने एकजुट होकर उन पर हमला कर दिया था।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 15 मार्च को हुए विवाद के बाद पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की। इसमें एससी एसटी एक्ट के तहत झूठा मामला दर्ज किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार, इस मामले में उन लोगों के नाम भी शामिल किए गए हैं जो घटना के समय मौजूद नहीं थे, और उनमें से एक व्यक्ति तो बेडरेस्ट पर था।

ग्रामीणों ने यह भी खुलासा किया कि संबंधित पक्ष जिस पोल्ट्री फार्म में रहता है, वहां से डोडा चूरा और अवैध शराब जैसी गतिविधियां संचालित होती हैं। उनका कहना है कि इससे गांव का माहौल खराब हो रहा है और लोग भय के साये में जी रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि 15 मार्च के विवाद में घायल प्रेमचंद और उनके परिवार ने राजपूत समाज के मोहन सिंह व बापू सिंह पर मारपीट के आरोप लगाए थे। इसके बाद सिटी पुलिस ने मारपीट की धाराओं के साथ बुधवार को एससी एसटी की धाराएं भी बढ़ाई थीं।

अब ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करने, अवैध गतिविधियों पर तुरंत रोक लगाने और निर्दोषों पर दर्ज झूठे मुकदमे वापस लेने की मांग की है।

विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड मनासा में सामाजिक समरसता संत यात्रा

मनासा। विश्व हिंदू परिषद मनासा प्रखण्ड में मंदसौर विभाग से तीन दिवसीय सामाजिक समरसता संत यात्रा का हांसपुर चौराहे बालाजी मंदिर मनासा में प्रवेश हुआ, जिसको प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने वाहन रैली से नगर के मुख्य मार्ग से प्रवेश करवाते हुए जोगणिया बस्ती में लेकर गए, जहां पर बस्ती में रहने वाले रहवासियों के बीच धर्मसभा ओर पदयात्रा हुई, संतों ने दिया हिंदू एकता और गौ-रक्षा का संदेश दिया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य संत श्री 108 श्री श्वासानंद जी महाराज (श्री नारायण आश्रम वृंदावन धाम बरडियाखेड़ी) ने समरसता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू समाज को जातियों के बंधनों से उपर उठकर एक सूत्र में पिरोना ही इस यात्रा का मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा कि जब तक हम समाज के अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्ति को गले नहीं लगाएंगे और उसे मुख्यधारा से नहीं जोड़ेंगे, तब तक राष्ट्र परम वैभव को प्राप्त नहीं कर सकता। श्री संत ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ें और समरस समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। वहीं विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता के क्षेत्रीय (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़) प्रभारी गोपाल सोनी इटारसी ने अपने ओजस्वी संबोधन में गो-रक्षा और हिंदू एकता का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि गौ-माता हमारी आस्था का केंद्र हैं और उनकी रक्षा करना हर हिंदू का परम कर्तव्य है। समाज में व्याप्त ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाना अनिवार्य है क्योंकि एकता में ही शक्ति है। यदि हिंदू समाज संगठित और समरस रहेगा तो कोई भी बाहरी शक्ति हमारी संस्कृति को नुकसान नहीं पहुंचा पाएगी।

विश्व हिन्दू परिषद के प्रखंड मंत्री मंगल सिंह देवड़ा ने बताया कि यात्रा का स्वागत नगर में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता के क्षेत्रीय (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़) प्रभारी गोपाल सोनी, प्रान्त सामाजिक समरस्ता प्रमुख शिव प्रसाद शर्मा, विभाग प्रमुख प्रकाश पालीवाल, विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला, विभाग सत्संग प्रमुख शंकर सिंह चौहान ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एक नजर ▸ आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था करने के दिए निर्देश

विधायक, कलेक्टर और एसपी ने भादवा माता में नवरात्रि मेला तैयारियों का लिया जायजा

नीमच। जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक आस्था के केंद्र, आरोग्य स्थल महामाया मां भादवा माताजी में गुरूवार से चैत्र नवरात्रि पर्व शुरू हो गया है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भादवामाता जी में नवरात्रि मेला आयोजित किया जा रहा है। इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धांलु माताजी के दर्शन करने आते हैं।

भादवामाता में आयोजित होने वाले नवरात्रि मेले में आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर रविवार कों विधायक नीमच दिलीपसिह परिहार, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, एस.पी. अंकित जायसवाल ने भादवा माता में मेला परिसर, माताजी के दर्शन करने आने जाने के रूट कों देखा और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। नवरात्रि के दौरान पार्किंग व्यवस्था, मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश की व्यवस्था आदि विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं का अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर एसडीएम संजीव साहू, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, निलेश पाटीदार तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। विधायक, कलेक्टर एवं एस.पी. ने भादवामाता मंदिर पर धर्म ध्वजा चढ़ाई और महामाया मां भादवामाता जी के दर्शन, पूजन अर्चन कर जिलेवासियों की सुख, समृद्धि की प्रार्थना भी की। सरपंच प्रतिनिधि श्री नवलकृष्ण सुरावत, जनपद सदस्य श्री रतनलाल मालावत व समिति सदस्यों ने विधायक, कलेक्टर एवं एसपी को अंग वस्त्रम पहनाकर स्वागत किया।

मंदिर का परिचय -महामाया मां भादवा माता मंदिर नीमच जिला मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर ग्राम भादवा माता में स्थित है। यह मंदिर मालवा की वैष्णो देवी के नाम से प्रसिद्ध है और लगभग 800 साल पुराना है। मंदिर में देवी मां की मूर्ति अतिप्राचीन व चमत्कारी मानी जाती है।

मंदिर की मान्यताएं -देवी मां के दर्शन मात्र से बड़े से बड़ा रोग ठीक हो जाता है। मंदिर परिसर में बनी बावड़ी के पानी से लकवा सहित गंभीर रोग ठीक हो जाते हैं। मंदिर में अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित है, जिसके दर्शन व पूजन का विशेष महत्व है। नवरात्रि के दौरान मंदिर में भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें लाखों की संख्या में भक्त दर्शन करने आते हैं। नववर्ष पर भी मंदिर में विशेष आयोजन होते हैं और भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा होती है।

मंदिर की विशेषताएं -मंदिर परिसर में एक प्राचीन बावड़ी है, जिसका पानी चमत्कारी माना जाता है। मंदिर में देवी मां के चरणों में श्रृद्धालुओं द्वारा मन्नत पूरी हो जाने पर चांदी के बकरे व मुर्गे अर्पित किए जाते हैं। म.प्र.शासन द्वारा भादवामाता लोक के तहत विभिन्न निर्माण कार्य किए जा रहे है और श्रृद्धालुओं के लिए विभिन्न सुविधाओं का विकास विस्तार किया जा रहा है।